ज्ञान दर्शन

समाचार बुलेटिन

जनवरी, 2016 से अप्रैल 2016 तक
(केवल ज्ञान परिवार में वितरण के लिए)

NAAC ACCREDIATED
GRADE- 'A'

ज्ञान महाविद्यालय

आगरा रोड, अलीगढ़ (उ.प्र.)
E-mail: gyanmv@gmail.com
Mobile: +91 921941 9405
Website: www.gyanmahavidhyalaya.co
Gyan Vatika

1. अतिथि व्याख्यान

भौतिक विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान :

18 जनवरी, 2016 को स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय में भौतिक विज्ञान की विभागाध्यक्षा डॉ. मंजू गिरि ने हमारे महाविद्यालय में आकर

"Semi conductor and its Applications" विषय पर सारगर्भित व्याख्यान दिया। उन्होंने Conductor तथा Non Conductor के बारे में बताने के साथ-साथ Semi Conductor, Conductivil Germeniom, Sellicon- Germeniom के चार ग्रुप के बारे में भी बताया तथा Electron के Co-Ballent Bond का परिचय दिया। उन्होंने Semi Conductor P & N Typ के Electron & Holle, Co-Bellent, P & N Junction & Zener Dioed आदि की विस्तृत व्याख्या की तथा विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। व्याख्यान का संयोजन विभागाध्यक्ष श्री वीरेन्द्र सिंह ने किया। प्राचार्य डॉ वाई.के. गुप्ता ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

बी. एड. विभाग में अतिथि व्याख्यान : 02 मार्च, 2016 को स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय में शिक्षक शिक्षा विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. जे.पी. सिंह ने हमारे महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में "Value Crisis and Models for Students" विषय पर व्याख्यान दिया। डॉ. सिंह ने अपने सारगर्भित व्याख्यान में मूल्य मीमांसा का उदाहरण देकर स्पष्ट किया तथा बताया कि पाप-पुण्य, सही-गलत यह सभी व्यक्ति

1. अतिथि व्याख्यान
- भौतिक विज्ञान विभाग में अतिथि व्याख्यान 1
- बी. एड. विभाग में अतिथि व्याख्यान 1
- बी. एड. विभाग में अतिथि व्याख्यान 2

2. शैक्षिक भ्रमण
- विज्ञान संकाय का शैक्षिक भ्रमण 2
- वाणिज्य विभाग का शैक्षिक भ्रमण 2
- कला संकाय का शैक्षिक भ्रमण 2
- बी. एड. विभाग का शैक्षिक भ्रमण 3

3. विभागीय गतिविधियाँ
- सहभोज का आयोजन 3
- तेल व गैस का संरक्षण एवं बचाव पर विचार गोष्ठी.. 3
- ज्ञान मार्ग का उद्घाटन समारोह 4
- वार्षिक खेलकूद सप्ताह का आयोजन 4
- महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव का आयोजन 4
- सलेमपुर भारत गैस प्लांट का भ्रमण 5
- 'महिला उत्पीड़न' पर गोष्ठी का आयोजन 5
- विद्यार्थी व स्टाफ को 'नीरजा' फिल्म दिखवाई 6
- आई. जी. एस. आई. की रीजनल गोष्ठी का आयोजन 6
- बी.एड. के विद्यार्थियों का स्काउट गाइड शिविर 7

4. विभिन्न दिवसों का आयोजन
- राष्ट्रीय युवा दिवस 8
- राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर ग्रीटिंग कार्ड प्रतियोगिता 8
- गणतन्त्र दिवस समारोह 9

5. राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम
- एक-एक दिवसीय चार शिविरों का आयोजन 9
- सात दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन 10
- जीव जन्तु रक्षा अभियान में सक्रिय सहयोग 11
- डॉ. ललित उपाध्याय का मथुरा में सम्मान 11
- गोरैया दिवस कार्यक्रम में स्वेछासेवियों का प्रतिभाग 11

6. ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के कार्यक्रम
- जरूरतमंद लोगों को गरम कपड़ों का वितरण 12
- ग्राम प्रधानों का स्वागत व कम्बल वितरण समारोह 12

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक कार्यक्रम, समारोह तथा उत्सव के श्री गणेश हेतु विद्या की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष आमंत्रित अतिथि और गणमान्य व्यक्तियों द्वारा दीप प्रज्वलित किये जाते हैं। अतिथि व गणमान्य व्यक्तियों को पुष्प गुच्छ व प्रतीक चिह्न देकर उनको यथोचित सम्मान प्रदान करने की भी परम्परा है।

ज्ञान महाविद्यालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में प्रबन्ध समिति की अध्यक्षा, चेयरमेन, अन्य पदाधिकारी एवं सदस्य, डॉ गौतम गोयल, श्रीमती रितिका गोयल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, प्राचार्य, उप प्राचार्य, मुख्य अनुशासन अधिकारी, सभी संकायों के प्राध्यापक एवं विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति यथा सम्भव और आवश्यकतानुसार सम्मिलित होते हैं। मीडिया संबंधी कार्यों का निर्वहन डॉ. ललित उपाध्याय द्वारा किया जाता है। कार्यक्रमों का प्रबन्धन श्री मनोज यादव के निदेशन तथा प्राचार्य एवं उप प्राचार्य के पर्यवेक्षण में किया जाता है।

Scanned by CamScanner

के दृष्टिकोण पर आधारित होते हैं। उन्होंने कहा कि मूल्य वांछनीय व्यवहार हैं। मूल्य नहीं बदलते, लेकिन व्यक्ति अपने दृष्टिकोण से मूल्य की परिभाषा बदलते हैं। व्यक्ति की सोच विकासशील होनी चाहिए। समाज विशेष के निर्धारित मानक ही मूल्य कहलाते हैं। मूल्यों का विकास परिवार, समाज तथा विद्यालय में होता है। आजकल अधिकांश माँ-बाप अपने बच्चों को समय नहीं दे पा रहे हैं, इसलिए बच्चों को अच्छे संस्कार नहीं मिल पा रहे हैं। अपने कथन की पुष्टि के लिए विद्वान व्याख्याता ने अनेक महापुरुषों -कबीर तथा स्वामी विवेकानन्द आदि के कथन उद्धरण के रूप में प्रस्तुत किये और जोर देकर कहा कि मूल्य व्यक्ति तथा समाज का सर्वांगीण विकास करते हैं।

शिक्षा का उद्देश्य मानव बनाना है। मूल्यों के गिरते स्तर पर व्याख्याता ने चिन्ता व्यक्त की। इस गिरते स्तर के लिए उन्होंने वर्तमान राजनीति, धर्म तथा शिक्षा व्यवस्था को दोषी बताया और कहा कि मूल्यों में सुधार के लिए शिक्षा का व्यावसायिक तथा रोजगार परक होना आवश्यक है। शिक्षक तथा विद्यार्थियों के आपस में अच्छे सम्बन्ध होना भी नितान्त आवश्यक है, तभी मूल्यों का विकास संभव है। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग की प्राध्यापिका श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी ने किया। अन्त में प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने अतिथि वक्ता का आभार व्यक्त किया।

बी. एड. विभाग में अतिथि व्याख्यान : 05 अप्रैल, 2016 को स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय में शिक्षक शिक्षा विभाग के पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बी.एस. गुप्ता ने हमारे महाविद्यालय में आकर "क्रियात्मक अनुसंधान" पर व्याख्यान दिया। विद्वान एवं अनुभवी व्याख्याता ने बताया कि क्रियात्मक अनुसंधान उद्देश्य पूर्ण होता है, इसके माध्यम से शिक्षक अपने शैक्षिक जगत की समस्याओं का समाधान वैज्ञानिक ढंग से करता है, साथ ही राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है। उन्होंने शिक्षण कार्य को रूचिकर बनाने तथा कक्षा में विद्यार्थियों के आपस में अनावश्यक बातचीत करने संबंधी समस्याओं को हल करने के विभिन्न तरीकों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन शिक्षक शिक्षा विभाग के प्राध्यापक श्री गिर्राज किशोर ने किया। अतिथि वक्ता ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिये। अन्त में उप-प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने अतिथि वक्ता का आभार व्यत किया।

2. शैक्षिक भ्रमण

विज्ञान संकाय का शैक्षिक भ्रमण : 5 जनवरी, 2016 को विज्ञान संकाय के 40 विद्यार्थी अपने प्राध्यापक डॉ. सुहैल अनवर, डॉ. .एस. चौधरी, श्री प्रवीन कुमार, श्री अमित कुमार, श्री के.पी. सिंह, अरमीन सिद्धीकी, डॉ. ज्योति सिंह, डॉ. अकलीम खाँ तथा कु. कांक्षा गुप्ता के साथ एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण हेतु मथुरा, वृन्दावन गये। वहाँ पर उन्होंने प्रेम मन्दिर, वैष्णोधाम तथा कृष्ण जन्म आदि स्थानों का भ्रमण किया। प्राध्यापक तथा विद्यार्थियों ने मौके

पर ही इन स्थानों के ऐतिहासिक, धार्मिक तथा वैज्ञानिक आदि महत्व पर चर्चा की। भ्रमण का संयोजन वनस्पति विज्ञान विभाग की प्रभारी डॉ. सुहैल अनवर ने किया।

वाणिज्य विभाग का शैक्षिक भ्रमण : 07 जनवरी, 2016 को वाणिज्य विभाग के 44 विद्यार्थी तथा 4 प्राध्यापक एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण हेतु फतेहपुर सीकरी तथा आगरा गये। प्राध्यापकों में से विभागाध्यक्ष डॉ. राजेश कुशवाहा, डॉ. समर रजा, डॉ. हीरेश गोयल तथा श्री पुष्पेन्द्र मोहन फतेहपुर सीकरी में बुलन्द दरवाजा तथा शेख सलीम चिश्ती की दरगाह एवं आगरा में ताजमहल दिखाने के लिए

उपर्युक्त विद्यार्थियों को ले गये।

प्राध्यापकों ने मौके पर उन स्थलों के ऐतिहासिक, सामरिक, शैक्षिक, धार्मिक तथा आर्थिक महत्व पर विद्यार्थियों से चर्चा की। इन स्थलों पर विद्यार्थियों ने अपना यथोचित मनोरंजन भी किया।

कला संकाय का शैक्षिक भ्रमण : 09 जनवरी, 2016 को कला

Scanned by CamScanner

संकाय के बी.एड. प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय वर्ष के विद्यार्थी अपने प्राध्यापक डॉ. सोमवीर सिंह, डॉ. बीना अग्रवाल, डॉ. विकेश चन्द्र गुप्ता, मुहम्मद वाहिद, श्री नेपाल सिंह तथा श्री एम.पी. सिंह के साथ एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण हेतु मथुरा तथा वृन्दावन गये। वहाँ पर प्राध्यापकों ने विद्यार्थियों को अनेक मंदिर दिखाये एवं विद्यार्थियों के साथ मंदिरों के धार्मिक ,ऐतिहासिक तथा शैक्षिक महत्व पर चर्चा की।

बी. एड. विभाग का शैक्षिक भ्रमण : 25 फरवरी, 2016 को बी.एड . सत्र 2015-17 के प्रथम वर्ष के विद्यार्थी अपने विभाग की प्रभारी श्रीमती शिवानी सारस्वत तथा प्राध्यापक श्रीमती आभा कृष्ण जौहरी, श्री गिर्राज किशोर, श्री लखमी चन्द तथा सुश्री भावना सारस्वत के साथ एक दिवसीय शैक्षिक भ्रमण हेतु मथुरा-वृन्दावन गये। वहाँ पर इन्होंने बाँके बिहारी मन्दिर, इस्कान मन्दिर, प्रेम मन्दिर, वैष्णो देवी मन्दिर तथा कृष्ण जन्म भूमि आदि का भ्रमण कर मौके पर ही इन स्थलों के ऐतिहासिक, धार्मिक तथा शैक्षिक महत्व पर अपने प्राध्यापकों के साथ चर्चा की। भ्रमण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में मानवीय मूल्यों का विकास करने के साथ-साथ उन्हें इन दर्शनीय स्थलों के आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक महत्व की जानकारी देना था । इस भ्रमण के प्रभारी श्री लखमी चन्द तथा सह-प्रभारी सुश्री भावना सारस्वत थीं।

3. विभागीय गतिविधियाँ

सहभोज का आयोजन : 01 जनवरी, 2016 को हमारे महाविद्यालय में सहभोज का आयोजन किया गया। विभिन्न संकायों के विद्यार्थी, प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति तथा महाविद्यालय प्रबन्धन के उच्च पदाधिकारी अपने-अपने घर से बने भोज्य पदार्थ लेकर महाविद्यालय के प्रांगण में एकत्र हुए। सभी ने एक साथ मिल बाँट कर एक दूसरे का खाना खाया और सामूहिक नाच गानों से नववर्ष का स्वागत कर एक दूसरे को शुभकामनायें दीं। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी, प्रबन्धक श्री मनोज यादव तथा प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने भी सहभोज तथा रंगारंग कार्यक्रमों का आनन्द लिया।

चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने उपस्थित सभी व्यक्तियों से अपील की कि वे नव-स्फूर्ति से पठन-पाठन कार्यक्रमों में भाग लेकर शैक्षिक तथा अन्य संबंधित क्षेत्रों में अपना-अपना योगदान दें। अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी ने भी सभी को नववर्ष की शुभकामनायें दीं।

तेल व गैस का संरक्षण एवं बचाव पर विचार गोष्ठी एवं प्रतियोगिता का आयोजन : 19 जनवरी, 2016 को हमारे महाविद्यालय में भारत पैट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड ने *"तेल व गैस का संरक्षण एवं बचाव"* विषय पर विचार गोष्ठी एवं संबंधित स्लोगन लिखने, पेन्टिंग बनाने, निबन्ध लिखने एवं पाक कला पर प्रतियोगिता का आयोजन किया। विचार गोष्ठी में महाविद्यालय के शिक्षक तथ विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जबकि उपर्युक्त प्रतियोगिताओं मे विभिन्न संकायों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस आयोजन मे भारत पैट्रॉलियम कार्पोरेशन लिमिटेड के टैरिटोरी मैनेजर श्री जे.सी. आहूजा तथा सेल्स ऑफीसर श्री दीपांकर चौधरी ने क्रमशः मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया।

मुख्य अतिथि श्री आहूजा ने संरक्षण तथा बचाव का अर्थ स्पष्ट करने के बाद तेल तथा गैस के बचाव की जोरदार वकालत की। विशिष्ट अतिथि श्री दीपांकर चौधरी ने गैस के बचाव के लिए निम्नांकित पाँच मंत्र बताये -

1. चूल्हा सिलेण्डर से ऊँचे स्थान पर रखें।
2. प्रयोग के बाद रेगूलेटर बन्द कर दें।
3. सिलेण्डर लेते समय लीकेज की जाँच अवश्य करें।
4. अधिकृत व्यक्ति से दो साल बाद चूल्हे आदि की जाँच अवश्य करायें।
5. गैस की गंध आने पर खिड़की, दरवाजे खोल दें तथा बिजली के किसी भी स्विच को ऑन न करें।

श्री दीपांकर जी ने बिजली तथा पानी की बचत के उपाय भी बताये। इसके बाद उपर्युक्त चारों प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया तथा संबंधित विजेताओं को पुरस्कृत किया गया। पाक कला में बी.टी.सी. के विद्यार्थियों की टीम को प्रथम, बी.ए. प्रथम वर्ष की टीम को द्वितीय, बी.ए. द्वितीय वर्ष की टीम को तृतीय

तथा बी.ए. तृतीय वर्ष की टीम को सान्त्वना पुरस्कार दिए गये। स्लो लिखने की प्रतियोगिता में पूजा सिंह (बी.एड.) को प्रथम, जया ग (बी.बी.ए.) को द्वितीय तथा केशलता (बी.टी.सी.) को तृतीय पुरस दिया गया। निबन्ध लेखन में तबस्सुम (बी.एस.सी.) को प्रथम, गुप्ता (बी.टी.सी.) को द्वितीय तथा पूनम कुमारी (बी.एड.) को त पुरस्कार दिया गया।

पेन्टिंग प्रतियोगिता में गुंजन गुप्ता (बी.टी.सी) को प्रथम (बी.ए. द्वितीय वर्ष) को द्वितीय तथा ललिता (बी.एड.) को पुरस्कार दिया गया। सभी पुरस्कार मुख्य अतिथि, विशिष्ट 3

Scanned by CamScanner

महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल तथा प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने संयुक्त रूप से दिये। आयोजन में सहयोगी प्राध्यापक श्रीमती आभाकृष्ण जौहरी, श्रीमती वैशाली अग्रवाल, डॉ. संध्या सेंगर, कु. रित्विजा मित्तल, डॉ. सुहैल अनवर, श्री ललित कुमार, श्रीमती शोभा सारस्वत तथा डॉ. बीना अग्रवाल को भी पुरस्कृत किया गया।

आयोजन का संयोजन तथा संचालन प्राध्यापिका श्रीमती मधु चाहर ने किया। आयोजन के अंत में चेयरमेन महोदय ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा प्राध्यापक एवं विद्यार्थियों को बधाई दी।

ज्ञान मार्ग का उद्घाटन समारोह : 25 जनवरी, 2016 को हमारे महाविद्यालय के परिसर में ज्ञान मार्ग का उद्घाटन कोल विधायक हाजी जमीर उल्लाह द्वारा किया गया। इस मार्ग का निर्माण अलीगढ़ विकास प्राधिकरण के सदस्य डॉ. कृपाल सिंह के प्रयास से अलीगढ़ विकास प्रा. द्वारा लगभग 20 लाख रुपये की लागत से कराया गया। इस अवसर पर अ.वि.प्रा. के सदस्य डॉ. कृपाल सिंह, श्री पूरन मल प्रजापति (शास्त्री) तथा समाजवादी पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष श्री सी.पी. सिंह भी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये सभी 14 गाँवों के प्रधान भी कार्यक्रम में उपस्थित थे।

ज्ञान मार्ग के उद्घाटन की औपचारिकता के बाद महाविद्यालय

के स्वराज्य सभागार में समारोह का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने महाविद्यालय की अब तक की प्रगति से सबको अवगत कराया। उप-प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने मुख्य अतिथि हाजी जमीर उल्लाह का परिचय दिया। पूर्व उप-प्राचार्य डॉ. एस.एस. यादव ने डॉ. कृपाल सिंह का परिचय दिया। महाविद्यालय की एन. एस. एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के अन्तर्गत गोद लिए 14 गाँव के विद्यार्थियों को दी जा रही सुविधाओं तथा विशेष रियायतों का हवाला दिया। श्री पूरनमल शास्त्री ने शास्त्रों में लिखित स्त्रियों की महिमा का वर्णन कर स्त्री सम्मान पर जोर दिया। डॉ. कृपाल सिंह ने सभी विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करने की सलाह दी। हाजी जमीर उल्लाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि व्यक्ति को अपनी रूचि सकारात्मक रखनी चाहिए तथा परिवार एवं समाज के प्रति अपने दायित्वों को पूरा करना चाहिए। उन्होंने महाविद्यालय को यथोचित सहयोग करने की भी घोषणा की। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने महाविद्यालय में संचालित इग्नू के विशेष अध्ययन केन्द्र, सी.सी.सी. आदि कार्यक्रमों के बारे में बताने के साथ-साथ गोद लिए 14 गाँव में से एक गाँव पड़ियावली को धुआँ रहित गाँव बनाने के लिए सभी परिवारों को रियायती दर पर एक-एक भारत गैस का कनेक्शन देने की योजना के बारे में बताया तथा अतिथियों का आभार व्यक्त किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राध्यापक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों के अलावा ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल, महाविद्यालय प्रबन्धन की श्रीमती रितिका गोयल तथा प्रबन्धक श्री मनोज यादव उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मधुचाहर एवं डॉ. ललित उपाध्याय ने किया। अन्त में महाविद्यालय प्रबन्धन द्वारा आयोजित भोज में सभी उपस्थित व्यक्तियों ने भाग लिया।

वार्षिक खेलकूद सप्ताह का आयोजन : महाविद्यालय परिसर स्थित खेल के मैदान में जनवरी 2016 के अन्तिम सप्ताह में खेल-कूद सप्ताह का आयोजन किया गया। इस आयोजन का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने किया।

200 मीटर दौड़ (पुरुष वर्ग) में रोहित कुमार प्रथम, शमशाद मलिक द्वितीय एवं प्रशान्त कुमार तृतीय स्थान पर रहे। 200 मीटर दौड़ (महिला वर्ग) में क्रान्ति कुमारी प्रथम, गायत्री सिसोदिया द्वितीय एवं वन्दना तृतीय स्थान पर रहीं। वालीवाल (पुरुष वर्ग) में बी.टी.सी. की टीम विजेता तथा बी.एस-सी. की टीम उप-विजेता, रही। भाला फेंक (पुरुष वर्ग) में दीपेश कुमार प्रथम, विवेक गौतम द्वितीय एवं मनीष कुमार तृतीय स्थान पर रहे। शतरंज (पुरुष वर्ग) में आलोक नाथ राहुल प्रथम तथा अंकित यादव द्वितीय स्थान पर रहे। कैरम (पुरुष वर्ग) में वैभव शर्मा प्रथम, अंकित यादव द्वितीय तथा आलोक नाथ राहुल तृतीय स्थान पर रहे। कैरम (महिला वर्ग) में सपना प्रथम, कविता द्वितीय तथा गायत्री तृतीय स्थान पर रहीं। रस्साकसी (पुरुष वर्ग) में बी.टी.सी. की टीम विजेता रही। कार्यक्रम के समापन समारोह में मुख्य अतिथि की भूमिका का निर्वहन महाविद्यालय के कोषाध्यक्ष श्री असलूब अहमद ने किया। मुख्य अतिथि महोदय ने अपने उद्बोधन में कहा कि मेहनत से सब कुछ जीता जा सकता है।

महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव का आयोजन : 13 फरवरी, 2016 को महाविद्यालय परिसर में महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास से मनाया गया। महिला एवं बाल विकास के क्षेत्र में सराहनीय कार्य करने के उपलक्ष्य में महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित श्रीमती प्रतिभा शर्मा तथा वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति, मथुरा के 45 पदाधिकारी तथा सदस्यों ने कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप भाग लिया। महाविद्यालय प्रबन्धन के चेयरमेन श्री दीपक गोय अध्यक्षा श्रीमती आशा देवी, कोषाध्यक्ष श्री असलूब अहमद तथा

Scanned by CamScanner

अनिल खण्डेलवाल व प्रबन्धक श्री मनोज यादव पूरे कार्यक्रम में उपस्थित रहे। ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल तथा

उनकी धर्मपत्नी श्रीमती रितिका गोयल ने भी उपस्थित रहकर आयोजित कार्यक्रम का आनन्द लिया। महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये 14 गाँवों से अनेक ग्राम प्रधानों ने भी आयोजन में शिरकत की। कार्यक्रम के प्रारम्भ में महाविद्यालय की उप-प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने मुख्य अतिथि का परिचय दिया। प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने महाविद्यालय की अब तक की प्रगति से सबको अवगत कराया। डॉ. बी.आर.अम्बेडकर विश्वविद्यालय आगरा द्वारा शैक्षिक सत्र 2014-15 में आयोजित परीक्षाओं में महाविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को महाविद्यालय प्रबन्धन तथा अतिथियों ने सम्मानित किया। महाविद्यालय द्वारा आयोजित विभिन्न प्रकार की सांस्कृतिक, साहित्यिक, एकेडमिक, सामाजिक कार्य तथा खेलकूद प्रतियोगिताओं में विशेष स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को भी पुरस्कृत किया गया। महाविद्यालय की सामाजिक सरोकार समिति के अन्तर्गत स्वराज्य स्वावलम्बी योजना तथा स्वराज्य ज्ञान योजना के अन्तर्गत महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये 14 गाँवों के विद्यार्थियों तथा ग्रामीणों को महाविद्यालय द्वारा दी जा रही सुविधाओं तथा वित्तीय रियायतों के बारे में उपर्युक्त समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने बीच-बीच में अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत कर उपस्थित लोगों को गुदगुदाया।

महामहिम राष्ट्रपति द्वारा सम्मानित मथुरा निवासी श्रीमती प्रतिभा शर्मा ने कहा कि ज्ञान आई.टी.आई. द्वारा रोजगार परक शिक्षा दी जा रही है। उन्होंने महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये 14 गाँवों के निवासियों को महाविद्यालय द्वारा दी जा रही सुविधाओं की भी सराहना की। उन्होंने यह भी कहा कि विधि की भूल क्षम्य नहीं है। वरिष्ठ नागरिक कल्याण समिति, मथुरा के प्रतिनिधि श्री बी.एस. पाण्डेय ने महाविद्यालय के संस्थापक स्व. डॉ. ज्ञानेन्द्र गोयल जी को नमन करते हुए विद्यार्थियों से कहा कि शिक्षा एक साधना है, इसे पूरी निष्ठा से पूरा करें। मुख्य अतिथि डॉ. अंजना बंसल, प्राचार्या डी.एस. कॉलिज, अलीगढ़ ने कहा कि शिक्षा से व्यक्ति के पूरे व्यक्तित्व का विकास होना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को सलाह दी कि वे पूरे मनोयोग से अध्ययन करें। महाविद्यालय की वार्षिक पत्रिका ज्ञान पुष्प 2015-16 का विमोचन भी अतिथियों ने किया।

कार्यक्रम के अन्त में महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा प्राध्यापक, शिक्षणेत्तर वर्ग एवं विद्यार्थियों को बधाई दी। आवश्यकतानुसार कार्यक्रम का संचालन श्रीमती मधु चाहर, डॉ. ललित उपाध्याय, कु. रितिजा मित्तल तथा डॉ. विवेक मिश्रा ने किया। कार्यक्रम का प्रबन्धन श्री मनोज यादव (प्रबंधक) के निदेशन तथा प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता के निर्देशन में किया गया। कार्यक्रम के बाद सभी उपस्थित व्यक्तियों ने महाविद्यालय परिवार द्वारा आयोजित भोज का आनन्द लिया।

सलेमपुर भारत गैस प्लांट का भ्रमण : 22 फरवरी, 2016 को हमारे महाविद्यालय की टीम ने भारत पैट्रॉलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड के बॉटलिंग प्लांट सलेमपुर, जिला-हाथरस का दक्ष प्रशिक्षक के प्रशिक्षण हेतु भ्रमण किया।

प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने बताया कि हमारे महाविद्यालय की टीम को बी.पी.सी.एल. के सुरक्षा अधिकारी श्री तीर्थकर मेन्ती ने एल.पी.जी. गैस के रासायनिक संगठन, गैस सिलेण्डरों को भरे जाने की प्रक्रिया, गैस रिसाव से सुरक्षा व धूम्र रहित गाँव की संकल्पना के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम में प्रादेशिक प्रबंधक श्री जे.सी. आहूजा ने दक्ष प्रशिक्षकों के साथ व्यक्तित्व विकास, कार्यदक्षता एवं गैस बचाव के उपायों पर चर्चा की।

महाविद्यालय के इस दल में डॉ. डी.के. अस्थाना, डॉ. विवेक मिश्रा, डॉ. ललित उपाध्याय व श्री पुष्पेन्द्र मोहन वार्ष्णेय शामिल रहे

जिन्होंने बी.पी.सी.एल. के प्लांट में गैस सुरक्षा का भी व्यावहा[रिक] प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रबन्धक श्री मनोज यादव ने प्रशिक्षण [प्राप्त] करके वापस आई अपने महाविद्यालय की टीम को बधाई दी।

'महिला उत्पीड़न' पर गोष्ठी का आयोजन : 27 फ[रवरी] 2016 को हमारे महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में महाविद्या[लय] महिला प्रकोष्ठ ने "महिला उत्पीड़न" पर एक गोष्ठी का अ[ायोजन]

Scanned by CamScanner

किया। इस गोष्ठी में मुख्य वक्ता की भूमिका का निर्वहन जिला महिला थाना, अलीगढ़ की प्रभारी निरीक्षक श्रीमती एम.डी. तौमर ने किया। इस गोष्ठी में महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति सम्मिलित हुए। मुख्य वक्ता के स्वागत की औपचारिकता के बाद महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी श्री आर.पी. सिंह ने कहा कि अधिकांश परिवारों में लड़के-लड़कियों में जन्म से ही भेदभाव किया जाता है। उन्होंने घरेलू हिंसा के कारणों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि छोटे-मोटे मामलों को परिवार में ही सुलझाया जाये तथा अधिक अत्याचार होने पर कानून की मदद अवश्य लें।

मुख्य वक्ता श्रीमती एम.डी. तौमर ने कहा कि महिलाओं के लिए पुलिस की नौकरी सबसे अधिक सुरक्षित है। उन्होंने महिला उत्पीड़न तथा घरेलू हिंसा के कारणों पर प्रकाश डालते हुए उनके निवारण हेतु व्यावहारिक उदाहरण देकर स्पष्ट किया कि पति-पत्नी तथा परिवार के अन्य लोगों के सहयोग और आपसी समझदारी से काफी हद तक महिला-उत्पीड़न एवं घरेलू हिंसा के मामलों को सुलझाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि महिलायें स्वयं को कमजोर न समझें और आवश्यक होने पर कानून की मदद लें। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि अपने अधिकारों का कभी भी दुरुपयोग मत करो तथा कभी भी किसी को झूठा फँसाने की कोशिश मत करो। उन्होंने यह भी कहा कि कभी-कभी आपसी गलत -फहमी से भी परिवार में झगड़े पैदा हो जाते हैं। उन्होंने आगे कहा कि स्त्री-पुरुष दोनों के लिए शांति पूर्ण गृहस्थ जीवन आवश्यक है और महिलाओं का आर्थिक रूप से आत्म निर्भर होना भी जरूरी है।

मुख्य वक्ता ने विद्यार्थियों के प्रश्नों के संतोषजनक उत्तर दिए। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन महिला प्रकोष्ठ की प्रभारी श्रीमती आभा कृष्ण जौहरी ने किया। अन्त में प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त किया।

महाविद्यालय के विद्यार्थियों व स्टाफ के सदस्यों को 'नीरजा' फिल्म दिखवाई गयी : 03 मार्च, 2016 को महाविद्यालय प्रबन्धन ने अलीगढ़ के ग्रेट वेल्यू मॉल (पी.वी.आर.) सिनेमाघर में बी.एड. तथा बी.टी.सी. के विद्यार्थी, प्राध्यापक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों को 'नीरजा' फिल्म दिखवाई। इस फिल्म

में एक साहसी एवं सूझबूझ से काम करने वाली विमान परिचारिका की कहानी को प्रदर्शित किया गया है, जिसने अपने अदम्य साहस एवं सूझबूझ से विमान को अपहृत होने से बचाकर अनेक यात्रियों को मौत के मुँह में जाने से बचाया। इस कार्य में उसे अपनी जान गँवानी पड़ी। नीरजा नामक इस विमान परिचारिका ने कर्तव्य के निर्वहन में अपने प्राण न्यौछावर कर दिए और वह सदैव के लिए प्रेरणा का स्रोत बन गयी। फिल्म के बाद विद्यार्थी, प्राध्यापक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों ने फिल्म के विभिन्न पहलुओं पर सामूहिक चर्चा की तथा वे अपने कर्तव्यों के प्रति और अधिक जागरूक हुए। इस कार्यक्रम का संयोजन प्रबन्धक श्री मनोज यादव तथा उप-प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने किया।

महाविद्यालय में इण्टरनेशनल गुडविल सोसाइटी ऑफ इण्डिया की रीजनल गोष्ठी का आयोजन : 05 मार्च, 2016 को हमारे महाविद्यालय के सभागार में इंटरनेशनल गुडविल सोसाइटी ऑफ इण्डिया की रीजनल गोष्ठी का आयोजन किया गया। इस गोष्ठी में मथुरा चेप्टर के पदाधिकारी श्री आर.पी. सक्सेना, आलोक कृष्ण गोस्वामी, सुरेश चन्द्र सक्सेना तथा श्री दीपक गोयल, बुलन्दशहर चेप्टर से श्री विपिन जी, अलीगढ़ चेप्टर से डॉ. ए.के. तोमर, डॉ. धर्मेन्द्र अस्थाना एवं मेरठ चेप्टर से डॉ. आर.के. भटनागर (सेवानिवृत आई.ए.

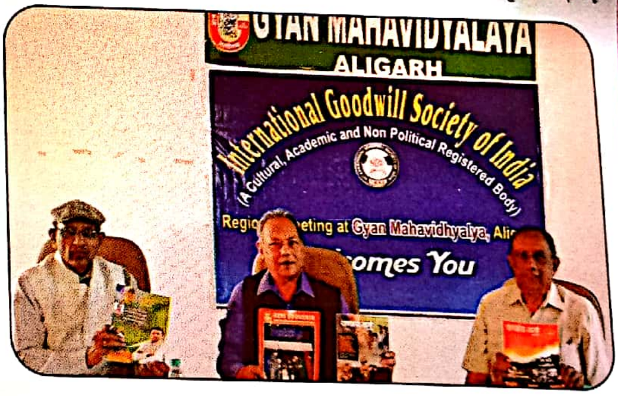

एस.) ने भाग लिया।

मथुरा से पधारे श्री आलोक कृष्ण गोस्वामी ने श्रीकृष्ण वन्दना से गोष्ठी की शुरूआत की। ज्ञान महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल जी ने बताया कि रीजनल चेप्टर की गोष्ठियों की शुरूआत इस प्रथम गोष्ठी से की जा रही है। उपस्थित सभी प्रतिनिधियों ने अपने-अपने जिले के चेप्टर की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की तथा चेप्टर द्वारा किए जा रहे आर्थिक, सामाजिक तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिलेवार वर्णन किया।

गोष्ठी के अध्यक्ष डॉ. आर.के. भटनागर ने कहा कि हर जिले का चेप्टर एक-एक गाँव गोद लेकर ग्रामीणों के चँहुमुखी विकास का प्रयास करे तथा प्रत्येक गोष्ठी में देश के आम तथा खास लोगों में राष्ट्रीय भावना जाग्रत करने का प्रयास किया जाये। श्री दीपक गोयल ने सुझाव दिया कि हर चेप्टर स्वास्थ्य तथा फसल बीमा, जन-धन योजना, पेंशन

Scanned by CamScanner

स्कीम, खाद्य सुरक्षा योजना तथा बालिका सुरक्षा योजना के बारे में जन जागरण का कार्य करें ताकि आम लोग इन योजनाओं का लाभ उठा सकें। उत्तर प्रदेश तथा उत्तराखण्ड के विभिन्न जिलों के चेप्टर्स में चुनाव कराने की तिथियाँ तय की गयी। चाणक्य वार्ता पत्रिका के अंक का विमोचन किया गया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने ज्ञान महाविद्यालय की अब तक की प्रगति से सबको अवगत कराया तथा डॉ. ललित उपाध्याय ने महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गए 14 गाँवों के निवासियों को महाविद्यालय द्वारा दी जा रही सुविधाओं के बारे में बताया। अन्त में स्थानीय धर्म समाज महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य तथा गुडविल सोसाइटी अलीगढ़ के अध्यक्ष डॉ. ए. के. तोमर ने गोष्ठी आयोजित करने के लिए महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल का आभार व्यक्त किया।

बी.एड . के विद्यार्थियों के पाँच दिवसीय स्काउट गाइड शिविर का आयोजन : 15 मार्च, 2016 को महाविद्यालय परिसर में स्काउट गाइड अलीगढ़ के जिला संगठन अधिकारी श्री यतेन्द्र सक्सेना ने शिविर का उद्घाटन किया। प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने विद्यार्थियों को स्काउट-गाइड शिविर का महत्व बताते हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

उद्घाटन की औपचारिकता के बाद स्काउट-गाइड की टोलियाँ बनायी गयीं और स्काउट-गाइड के इतिहास तथा सीटी के संकेतों से बी.एड. के विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। बी.एड. विभाग के प्राध्यापक श्री लखमीचन्द्र एवं सुश्री भावना सारस्वत को स्काउट-गाइड शिविर का प्रभारी बनाया गया। विभाग की प्रभारी श्रीमती शिवानी सारस्वत को विभाग के सभी प्राध्यापकों ने पूरा सहयोग दिया।

शिविर के दूसरे दिन प्रशिक्षक श्री यतेन्द्र सक्सेना ने विद्यार्थियों को स्काउटिंग की नीति, नियम, प्रतिज्ञा तथा सिद्धान्तों की विस्तृत जानकारी दी। विद्यार्थियों को पथ प्रदर्शक चिह्नों (सड़क के संकेतों) की जानकारी दी गयी तथा कैम्प फायर का आयोजन किया गया। शिविर के तीसरे दिन हाइक प्रशिक्षण का आयोजन सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य - श्री फौरन सिंह, श्री रवेन्द्र कुमार शर्मा डी. ओ.सी. स्काउट, हाथरस तथा श्री यतेन्द्र सक्सेना ने किया। हाइक प्रशिक्षण का उद्देश्य विद्यार्थियों में सहनशीलता, धैर्य, स्वावलंबन, साहस, निरीक्षण शक्ति एवं स्मरण शक्ति का विकास करना होता है। हाइक परीक्षा के लिए सभी विद्यार्थियों को महाविद्यालय के नजदीक स्थित नेशनल हाइवे-91 से होकर ग्राम बढ़ौली फतेह खाँ के पूर्व माध्यमिक विद्यालय तक ले जाया गया। इसमें विद्यार्थियों का नेतृत्व विद्यार्थी (छात्राध्यापक) सर्वश्री खगेन्द्र पाल सिंह एवं राज कुमार तथा पूजा सिंह व शिखा ने किया। इसके बाद विद्यार्थियों को तम्बू लगाने एवं वन भोज बनाने की जानकारी दी गयी। तदुपरान्त कैम फायर के अन्तर्गत टोलियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये गये, इसमें छात्राओं की टोली जी.पी. 05 ने प्रथम, जी.पी. 03 ने द्वितीय तथा जी.पी. 06 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्रों की टोली एस.पी. 04 ने प्रथम, एस.पी. 01 ने द्वितीय एवं एस.पी. 02 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के निर्णायक मण्डल में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. नरेन्द्र सिंह, डॉ. बीना अग्रवाल तथा डॉ. संध्या सेंगर रहीं।

शिविर के चौथे दिन पाक कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें तीनों प्रशिक्षक सर्व श्री फौरन सिंह, रवेन्द्र कुमार शर्मा तथा यतेन्द्र सक्सेना एवं प्राध्यापक श्री लखमी चन्द्र एवं सुश्री भावना सारस्वत के पर्यवेक्षण में विद्यार्थियों ने ईंटों के अस्थायी चूल्हे बनाकर अनेक प्रकार के भारतीय व्यंजन तैयार किये, तदुपरान्त सभी ने सहभोज का आनन्द लिया। पाक कला प्रतियोगता में छात्राओं की टोली जी.पी. 05 ने प्रथम, जी.पी. 01 ने द्वितीय तथा जी.पी. 06 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्रों की टोली एस.पी. 04 ने प्रथम, एस.पी. 02 ने द्वितीय तथा एस.पी. 03 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। पाक कला प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में महाविद्यालय के शिक्षक वर्ग से डॉ. धर्मेन्द्र कुमार अस्थाना, श्री आर.पी. सिंह तथा श्रीमती शोभा सारस्वत रहे।

इसके बाद विद्यार्थियों ने संदेशात्मक एवं प्रेरणाप्रद लघुनाटक प्रस्तुत किये। इस प्रस्तुति में छात्राओं की टोली जी.पी. 04 ने प्रथम, जी. पी. 06 ने और जी.पी. 07 ने द्वितीय एवं जी.पी. 05 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्रों की टोली एस.पी. 02 ने प्रथम, एस.पी. 01 तथा एस.पी.4 ने द्वितीय और एस.पी. 03 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस लघुनाटक प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में महाविद्यालय के प्राध्यापक डॉ. विकेश चन्द्र गुप्ता, श्रीमती वैशाली अग्रवाल तथा डॉ. रत्न प्रकाश को रखा गया। प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने विद्यार्थियों की अभी तक की प्रस्तुतियों की सराहना की तथा कहा कि अनुशासन और परिश्रम व्यक्ति

Scanned by CamScanner

को सफलता के शिखर पर ले जाते हैं।

शिविर के पाँचवें दिन बी. एड. के सभी विद्यार्थियों को 11 टोलियों में बाँटा गया, इनमें सात टोली छात्राओं की तथा चार टोली छात्रों की थी। छात्रों की टोलियों को एस.पी. 1, एस.पी. 2, एस.पी. 3 तथा एस.पी. 4 नाम से जाना गया जबकि छात्राओं की टोलियों को जी. पी. 1, जी.पी. 2, जी.पी. 3, जी.पी. 4, जी.पी. 5, जी.पी. 6 तथा जी.पी. 7 नाम से जाना गया।

सभी टोलियों ने महाविद्यालय के खेल के मैदान में अपने-अपने टेंट लगाये। निर्धारित मानकों के अनुसार सभी टोलियों द्वारा लगाये गये टेंटों का मूल्याँकन किया गया। मूल्याँकन दल में श्री ए.के. गुप्ता, प्रधानाचार्य, हीरालाल बारहसैनी इण्टर कॉलेज, अलीगढ़ तथा इसी इण्टर कॉलेज के प्रवक्ता श्री संजय वार्ष्णेय के साथ ज्ञान महाविद्यालय के एकेडमिक निदेशक डॉ. धर्मेन्द्र कुमार अस्थाना थे।

मूल्याँकन दल के अनुसार एस.पी. 1 ने प्रथम, एस.पी. 3 ने द्वितीय तथा एस.पी. 4 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में जी.पी. 5 ने प्रथम, जी.पी. 3 ने द्वितीय, जी.पी. 06 और जी.पी. 7 ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसके बाद का कार्यक्रम महाविद्यालय के सभागार में हुआ। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों के साथ मूल्याँकन दल के तीनों सदस्य एवं श्री यतेन्द्र सक्सेना, डी.ओ.सी. स्काउट अलीगढ़, श्री रवेन्द्र कुमार शर्मा डी.ओ.सी. स्काउट हाथरस तथा हाथरस जिले के इण्टर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य श्री फौरन सिंह भी उपस्थित थे। इस कार्यक्रम में बी.एड. के विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रकार के गीत तथा शिक्षाप्रद नाटक आदि प्रस्तुत किये। बी.एड. की वरिष्ठ प्राध्यापिका श्रीमती आभा कृष्ण जौहरी ने राखी तथा मेंहदी आदि प्रतियोगिताओं में विशिष्ट स्थान पाने वाले बी. एड. के विद्यार्थियों के नामों की घोषणा की तथा मुख्य अतिथि श्री ए.के. गुप्ता, महाविद्यालय के प्रशासनिक अधिकारी श्री आर.पी. सिंह तथा डॉ. धर्मेन्द्र कुमार अस्थाना ने संबंधित विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र दिए। श्री फौरन सिंह तथा श्री रवेन्द्र कुमार शर्मा ने भी सांस्कृतिक कार्यक्रम में अपनी-अपनी प्रस्तुति दी।

मुख्य अतिथि श्री ए.के. गुप्ता ने बी.एड. के विद्यार्थियों द्वारा लगाये गये टेन्टों एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति की सराहना की। अन्त में श्री आर.पी. सिंह ने मुख्य अतिथि, अतिथि तथा स्काउट और गाइड के प्रशिक्षकों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन प्राध्यापिका श्रीमती मधु चाहर ने किया। प्रबन्धक श्री मनोज यादव कार्यक्रम में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के बाद सभी उपस्थित व्यक्तियों ने महाविद्यालय परिसर में एक साथ भोजन किया।।

4. विभिन्न दिवसों का आयोजन

राष्ट्रीय युवा दिवस : 12 जनवरी, 2016 को महाविद्यालय की एन. एस. एस. इकाई ने पड़ियावली गाँव में अपने एक दिवसीय शिविर के दौरान गाँव के डॉ. अम्बेडकर सामुदायिक भवन में स्वामी विवेकानन्द की 153 वीं जयन्ती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनायी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान श्री यतेन्द्र कुमार रहे तथा अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने की।

मुख्य अतिथि ने कहा कि युवा अनुशासन के साथ राष्ट्र निर्माण में अपनी भूमिका निभायें तथा श्रमदान कर राष्ट्रहित में सहयोग करें। इस अवसर पर डॉ. रत्न प्रकाश ने स्वामी विवेकानन्द से जुड़े प्रेरक प्रसंग सुनाकर विद्यार्थियों में नागरिक दायित्व की भावना विकसित करने पर बल दिया। प्राचार्य महोदय ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि युवाओं में अनुशासन बेहद जरूरी है और यह अनुशासन एन.एस.एस. का प्राण है। एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्य सिद्धान्त वाक्य- मैं नहीं तुम, प्रतीक चिह्न, बैज तथा एन.एस.एस. की गतिविधियों की विस्तार से चर्चा की। प्राध्यापक डॉ. एच. एस. सिंह तथा डॉ. संध्या सेंगर ने भी अपने-अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. ललित उपाध्याय ने किया।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में ग्रीटिंग कार्ड बनाने की प्रतियोगिता : 22 जनवरी, 2016 को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित स्वीप कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय मतदाता दिवस के उपलक्ष्य में हमारे महाविद्यालय में 'सम्पूर्ण एवं गुणात्मक भागीदारी' की थीम पर एन.एस.एस. व साहित्यिक समिति के सहयोग से ग्रीटिंग कार्ड बनाने की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय के सभी संकायों के विद्यार्थियों ने भाग लिया। अपने उद्घाटन भाषण में प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने कहा कि राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर आयोजित ग्रीटिंग कार्ड, निबंध, पेन्टिंग, स्लोगन आदि प्रतियोगिताओं के माध्यम से यह संदेश देना है कि हम अपने मताधिकार का प्रयोग पूर्ण सजगता से करके अपने दायित्व का ठीक प्रकार से निर्वहन करें।

मतदान के प्रयोग, जनसहभागिता, समावेशी और गुणवत्ता परक मतदाता सहभागिता पर विद्यार्थियों ने शुभकामनाओं के साथ ग्रीटिंग कार्ड बनाए। प्रतियोगिता का मूल्यॉकन एन.एस.एस. के

Scanned by CamScanner

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय, मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह तथा ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने संयुक्त रूप से किया। ग्रीटिंग कार्ड प्रतियोगिता में राखी रानी प्रथम, आरती यादव द्वितीय तथा चन्दन प्रवीन तृतीय स्थान पर रहे। तीनों विजेताओं को जिला प्रदर्शनी मैदान स्थित कृष्णांजलि में आयोजित जिला स्तरीय राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम में जिलाधिकारी द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संयोजन प्राध्यापिका सुश्री भावना सारस्वत ने किया।

गणतन्त्र दिवस समारोह : 26 जनवरी, 2016 को हमारे महाविद्यालय के परिसर में गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन हर्षोल्लास से किया गया। महाविद्यालय के शिक्षक तथा शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्ति समारोह में सम्मिलित हुए। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने ध्वजारोहण किया। इसके बाद सभी व्यक्ति स्वराज्य सभागार में एकत्र हुए। शिक्षक वर्ग से श्री गिर्राज किशोर, डॉ. (श्रीमती) रेखा शर्मा तथा श्रीमती आभाकृष्णा जौहरी ने देश के शहीदों का स्मरण करते हुए देशभक्ति के गीत प्रस्तुत किये। डॉ. नरेन्द्र सिंह ने स्वरचित देशभक्ति पूर्ण कवितायें सुनाईं। श्रीमती मधु चाहर ने अपने-अपने अन्दर की कमियों को छोड़ने पर बल देकर गांधीजी के योगदान संबंधी कविता सुनाई। सुश्री भावना सारस्वत ने भी अपने विचार व्यक्त किए। डॉ. ललित उपाध्याय ने शहीदों को नमन करते हुए गणतान्त्रिक मूल्यों को कायम रखने पर बल दिया। सुश्री भावना सारस्वत ने जिला प्रदर्शनी, अलीगढ़ में ग्रीटिंग कार्ड बनाने की प्रतियोगिता में विशिष्ट स्थान पाने वाले महाविद्यालय के विद्यार्थियों को जिलाधिकारी द्वारा पुरस्कृत किए जाने के बारे में बताया। पूर्व उप-प्राचार्य डॉ. एस.एस. यादव ने उच्च प्राथमिक शिक्षा की बारीकियों पर प्रकाश डालते हुए गणतन्त्र के महत्व को उजागर किया। विद्यार्थियों में से कविता राजपूत, देवेश कुमार, परम ज्योति सिंह तथा राधेश्याम आदि ने गणतन्त्र दिवस के महत्व के बारे में बताया तथा देश भक्ति पूर्ण गीत आदि सुनाये।

प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने गणतन्त्र की व्याख्या की तथा बताया कि पुराने कानूनों में यथोचित संशोधन की आवश्यकता है, उन्होंने विद्यार्थियों से अपील की कि वे पूरी लगन तथा निष्ठा से पढ़ाई करें। कार्यक्रम के अन्त में सभी को मिष्ठान्न वितरित किया गया।

5. राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम

एक-एक दिवसीय चार शिविरों का आयोजन : 12, 15, 19 जनवरी व 16 फरवरी, 2016 को महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई ने एक-एक दिवसीय शिविरों का आयोजन पड़ियावली गाँव के डॉ. अम्बेडकर सामुदायिक भवन में किया। 12 जनवरी के शिविर में स्वामी विवेकानन्द की 153वीं जयन्ती राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनायी गयी। इसकी रिपोर्ट ज्ञान दर्शन के इसी अंक में दी गयी है।

दूसरे एक दिवसीय शिविर में महाविद्यालय के प्रबन्धक श्री मनोज यादव ने कहा कि युवाओं को आत्म विश्वास के साथ सामाजिक कार्य को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे कौशल विकास व रोजगार परक पाठ्यक्रमों द्वारा आत्मनिर्भर बनें। प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने एन.एस.एस. के माध्यम से विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर बल दिया। मुख्य अनुशासन अधिकारी डॉ. नरेन्द्र कुमार सिंह ने छात्र जीवन में अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला। एन.एस.एस. के स्वेच्छासेवियों ने पड़ियावली गाँव में घर-घर जाकर परिवारों का सामाजिक, आर्थिक तथा स्वास्थ्य संबंधी सर्वेक्षण किया और ग्रामीणों को प्रधानमंत्री जन-धन योजना, कौशल विकास योजना, टीकाकरण तथा शिक्षा के महत्व के बारे में बताया। महाविद्यालय के सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष श्री डी.के. रावत ने शिविर में उपस्थित रहकर स्वेच्छासेवियों का सहयोग किया।

तीसरे एक दिवसीय शिविर में स्वेच्छासेवियों ने गाँव में जाकर "पालिथीन हटाओ-पर्यावरण बचाओ" के नारे ग्रामीणों के साथ लगाकर गाँव वालों को जागरूक किया। ग्रामीणों के सहयोग से गाँव की गलियों की सफाई कर लोगों को स्वच्छ भारत मिशन के बारे में बताया। आज के कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बी.पी.सी.एल. के टेरिटरी मैनेजर श्री जे.सी. आहूजा व विशिष्ट अतिथि सर्वश्री दीपांकर चौधरी,

श्री दीपक गोयल तथा डॉ. गौतम गोयल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने की।

मुख्य अतिथि महोदय ने गैस की बचत के उपाय बताये। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने युवाओं को आत्म निर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। डॉ. गौतम गोयल ने प्रधानमंत्री कौशल विकास कार्यक्रम की विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने किया।

चौथे एक दिवसीय शिविर में स्वेच्छासेवियों ने ग्रामीणों के सहयोग से "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" तथा पर्यावरण के सम्बन्ध में ग्रामीणों को जागरूक किया। जन जागरण हेतु सम्पूर्ण भारत की साईकिल यात्रा कर रहे होप ऑफ लाइफ संस्था के महामंत्री श्री आशीष अनुज कलेन्सी का पड़ियावली पहुँचने पर एन.एस.एस. के शिविर में जोरदार स्वागत किया गया। श्री आशीष बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ का संदेश लेकर साईकिल से भारत भ्रमण पर हैं।

Scanned by CamScanner

मुख्य अतिथि श्री आशीष ने "बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ" के साथ-साथ वृक्षारोपण के महत्व पर प्रकाश डाला। प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने पर्यावरण संरक्षण में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। उप प्राचार्य डॉ. हीरेश गोयल ने आशीष जी को प्रेरणा का स्रोत बताया। डॉ. विवेक मिश्रा ने आगन्तुकों का आभार व्यक्त किया।

सात दिवसीय विशेष शिविर : इस शिविर का आयोजन पड़ियावली गाँव के डॉ. अम्बेडकर सामुदायिक भवन में 03 फरवरी, 2016 से 09 फरवरी, 2016 तक किया गया। महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल तथा प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने ज्ञान की देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर शिविर का शुभारंभ किया। स्वेच्छासेवियों को सम्बोधित करते हुए चेयरमेन महोदय ने कहा कि सभी स्वेच्छासेवी गाँव में सेवा भाव से जन जाग्रति के कार्य करें। डॉ. रत्न प्रकाश ने राष्ट्रीय सेवा योजना के इतिहास पर प्रकाश डाला। डॉ. विवेक मिश्रा ने सामाजिक सरोकार संबंधी कार्यों की जानकारी दी। ऐकेडमिक निदेशक डॉ. डी.के. अस्थाना ने बैंक खातों के प्रकार तथा प्रधानमंत्री जन-धन योजना के बारे में बताया। प्रशासनिक अधिकारी श्री आर.पी. सिंह ने जीवन में अनुशासन के महत्व पर प्रकाश डाला। उप-प्राचार्या डॉ. रेखा शर्मा ने स्वेच्छासेवियों को सामाजिक महत्व की बातें बताई। ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल ने युवाओं को कौशल विकास की ओर प्रेरित करने के लिए उपयोगी सुझाव दिए। इस शिविर में एन.एस.एस. के 50 से अधिक स्वेच्छासेवियों ने लक्ष्य गीत व अन्य प्रेरक गीत भी गाये। प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने स्वेच्छासेवियों से साहसी बनने की अपील की।

शिविर के दूसरे दिन स्वेच्छासेवियों ने ग्रामीणों के सहयोग से गाँव के प्राथमिक विद्यालय, पूर्व माध्यमिक विद्यालय तथा सामुदायिक भवन की सफाई की। प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता तथा प्रबन्धक मनोज यादव ने शिविर में सहभागिता की। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने स्वेछासेवियों को व्यक्तित्व विकसित करने के तरीके बताये। डॉ. विवेक मिश्रा तथा डॉ. सोमवीर सिंह ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत करने में स्वेच्छासेवियों का सहयोग किया। ग्राम प्रधान श्री यतेन्द्रपाल सिंह अनेक ग्रामीणों के साथ शिविर में उपस्थित रहे।

शिविर के तीसरे दिन स्वेच्छासेवियों ने ग्रामीणों के सहयोग से गाँव के प्राथमिक विद्यालय तथा डॉ. अम्बेडकर सामुदायिक भवन की सफाई की तथा ग्रामीणों के साथ श्रमदान के महत्व पर चर्चा की। ग्रामीणों के मध्य साक्षरता, स्वच्छता, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ आदि नुक्कड़ नाटक स्वेच्छासेवियों ने प्रस्तुत किये तथा गाँव के सामाजिक आर्थिक सर्वेक्षण के आँकड़े एकत्रित किये। साथ ही कुकिंग गैस का कनेक्शन लेने के लिए ग्रामीणों को जागरूक किया। महाविद्यालय के प्राध्यापक श्री महेन्द्र पाल सिंह, डॉ. विवेक मिश्रा, डॉ. सोमवीर सिंह तथा डॉ. ज्योति सिंह ने स्वेच्छासेवियों को विविध विषयों की बौद्धिक जानकारी दी।

शिविर के चौथे दिन ग्रामीण तथा स्वेच्छासेवियों से तेल तथा कुकिंग गैस के उचित प्रयोग पर चर्चा की गयी। आज के मुख्य अतिथि डॉ. बी.डी. उपाध्याय (प्राचार्य, धर्मज्योति महाविद्यालय) ने कहा कि एन.एस.एस. के कार्यों में आत्म अनुशासन आवश्यक है। प्रबन्धक श्री मनोज यादव ने भी युवाओं को सम्बोधित किया। भारत गैस के श्री आशीष कुलश्रेष्ठ ने क्विज प्रतियोगिता आयोजित करायी, इसमें विजेता स्वेच्छासेवियों को पुरस्कृत किया गया। शिविर के दौरान महिला सशक्तीकरण, कौशल विकास की आवश्यकता तथा शिक्षित एवं विकसित समाज पर अलग-अलग समूहों में चर्चा की गयी। आज के शिविर में प्राध्यापक डॉ. सोमवीर सिंह, डॉ. विवेक मिश्रा, डॉ. रत्न प्रकाश, श्री नेपाल सिंह तथा उप-प्राचार्य श्री हीरेश गोयल उपस्थित रहे।

शिविर के पाँचवे दिन जल संरक्षण एवं जल ही जीवन है- पर जन चेतना रैली का आयोजन किया गया। इस रैली का शुभारम्भ प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने किया। रैली के दौरान जल संबंधी नारे लगाये गये तथा विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर स्वेच्छासेवियों द्वारा नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किये गये। प्रबन्धन गुरू श्री विशाल वार्ष्णेय ने अपने व्याख्यान में कहा कि किसी भी कार्य को करने से पहले उसकी योजना बनाना बेहद जरूरी है। उन्होंने स्वेच्छासेवियों को सलाह दी कि वे सेवाभाव के साथ समाज से जुड़े रहें। श्री जितेन्द्र सिंह (पूर्व एसोसिएट प्रोफेसर, मंगलायतन विश्वविद्यालय) ने समाज सेवा में मीडिया की भूमिका पर स्वेछासेवियों से चर्चा की। आज के शिविर में प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता तथा डॉ. रत्न प्रकाश उपस्थित रहे।

शिविर के छठवें दिन स्वेछासेवियों ने ग्रामीणों के सहयोग से गाँव के पंचायत घर, प्राथमिक तथा पूर्व माध्यमिक विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कर ग्रामीणों को पर्यावरण के प्रति जागरूक किया तथा ग्रामीणों का टीकाकरण कराया। स्वेछासेवियों ने पर्यावरण संबंधी नारे दीवारों पर लिखे तथा नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किये। पड़ियावली को धूम्र रहित गाँव बनाने के लिए नए गैस के कनेक्शन हेतु ग्रामीणों से फार्म भरवाये गये। ग्राम प्रधान के साथ-साथ डॉ. डी.के. अस्थाना तथा डॉ. सोमवीर सिंह शिविर में उपस्थित रहे।

शिविर के सातवें तथा अन्तिम दिन समापन समारोह के मुख्य अतिथि पड़ियावली के ग्राम प्रधान श्री यतेन्द्रपाल सिंह रहे तथ

Scanned by CamScanner

अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने की। समापन समारोह का संचालन स्वेच्छासेवी कुनाल शर्मा तथा कु. दमयन्ती ने किया। स्वेच्छासेवियों ने अनेक रंगारंग कार्यक्रम प्रस्तुत किये। दैनिक जागरण में प्रकाशित समाचार के अनुसार पड़ियावली गाँव के पानी में नाइट्रेट की मात्रा अधिक है- जोकि स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है। इस समाचार के संदर्भ में सुरक्षित पेयजल के बारे में ग्रामीणों को जागरूक किया गया तथा ग्राम प्रधान से अपील की गयी कि वे गाँव के सभी पेयजल स्रोतों के जल की जाँच प्रयोगशाला में करायें।

समापन समारोह के मुख्य अतिथि ग्राम प्रधान श्री यतेन्द्र पाल सिंह ने अपने वक्तव्य में स्वेछासेवियों द्वारा शिविर के दौरान किये गये कार्यों की खुले दिल से प्रशंसा की। प्राचार्य डॉ. वाई. के. गुप्ता ने स्वेच्छासेवियों से अपील की कि वे पूर्व राष्ट्रपति मिसाइलमेन डॉ. ए.पी. जे. अब्दुल कलाम के विज़न 2020 के सपनों को साकार करने में सहयोग करें। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में एन.एस.एस. के स्वेच्छासेवियों के योगदान का भी उल्लेख किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने पूरे शिविर की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। डॉ. डी. के. अस्थाना ने "उठें समाज के लिए उठें-उठें" लक्ष्य गीत की प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला। समारोह के दौरान स्वेच्छासेवियों के दल नायक मिन्टो महन्तो, पवन कुमार, हनी गुप्ता, शमशाद मलिक, सद्दाम हुसेन, शिखा पालीवाल तथा कविता वर्मा आदि सभी स्वेछासेवियों को सम्मानित किया गया।

इस प्रकार एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय के कुशल नेतृत्व में सात दिवसीय विशेष शिविर का सफल समापन हुआ।

जीव जन्तु रक्षा अभियान में सक्रिय सहयोग : <u>15 मार्च,</u> 2016 को महाविद्यालय की ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति व एन.

एस.एस. के सहयोग से जीव जन्तु रक्षा अभियान के अन्तर्गत पक्षियों के लिए दाना-पानी के पात्र, महाविद्यालय परिसर के सभी भवनों में रखे गये। इन पात्रों में नियमित रूप से दाना-पानी रखने की जिम्मेदारी भी कुछ लोगों ने ली। पिछले कई वर्षों से यह कार्य महाविद्यालय परिसर में किया जा रहा है। गर्मी के मौसम में दाना-पानी रखने का विशेष ध्यान रखा जाता है। प्रबन्धक मनोज यादव ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण में जीव-जन्तु व पेड़-पौधों का विशेष महत्व है।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये 14 गाँवों के लोगों को जीव जन्तु रक्षा अभियान व गोरैया संरक्षण के बारे में जागरूक किया गया है और ग्रामीण अपने-अपने गाँव में इस जिम्मेदारी को निभा रहे हैं। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता तथा ज्ञान आई.टी.आई. के प्राचार्य श्री अजय कांत पाठक ने विद्यार्थियों के माध्यम से इस अभियान का विस्तार करने पर बल दिया।

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय का मथुरा में सम्मान : <u>20 फरवरी,</u> 2016 को डॉ. बी. आर. अम्बेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के तत्वावधान में बी. एस. ए. कॉलेज मथुरा में आयोजित युवा समागम समारोह में हमारे महाविद्यालय की एन.एस.

एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय को उत्कृष्ट समाज सेवा कार्यों व युवा स्वेछासेवियों को राष्ट्र निर्माण हेतु उत्प्रेरित करने के सराहनीय प्रयासों के लिए भारत सरकार कौशल विकास, युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, नई दिल्ली के सचिव श्री राजीव गुप्ता (आई.ए.एस.) ने सम्मानित किया। इस अवसर पर उप कार्यक्रम सलाहकार भारत सरकार श्री जे.बी. सिंह, क्षेत्रीय निदेशक एन.एस. एस. लखनऊ डॉ. अशोक श्रोती, डॉ. बी.आर., अम्बेडकर विश्वद्यालय, आगरा के समन्वयक डॉ. आर. बी. एस. चौहान आदि उपस्थित थे। युवा समागम में यह सम्मान प्राप्त करने वाले डॉ. ललित उपाध्याय अलीगढ़ मण्डल के एक मात्र कार्यक्रम अधिकारी एन.एस. एस. हैं।

महाविद्यालय प्रबन्धन ने इस विशिष्ट उपलब्धि के लिए डॉ. ललित उपाध्याय को बधाई दी।

गोरैया दिवस कार्यक्रम में स्वेछासेवियों का प्रतिभाग : <u>20 मार्च,</u> 2016 को अलीगढ़ शहर के जवाहर उद्यान में जिला प्रशासन वन विभाग तथा हरीतिमा संस्था ने गोरैया दिवस पर संगोष्ठी का आयोजन किया। इस संगोष्ठी में ए.डी.एम. (सिटी) श्री अवधे तिवारी, डी.एफ.ओ. श्री अनुपम गुप्ता, पूर्व एम.एल.सी. श्री विवे

Scanned by CamScanner

बंसल, डॉ. वेद प्रकाश अमिताभ, पर्यावरण विद् श्री सुबोध नन्दन शर्मा, उड़ान सोसाइटी के अध्यक्ष श्री ज्ञानेन्द्र मिश्रा, हमारे महाविद्यालय की एन.एस.एस. इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय, महाविद्यालय के एकेडमिक निदेशक डॉ. डी.के. अस्थाना के साथ-साथ हमारे महाविद्यालय के 25 स्वछासेवियों ने प्रतिभाग किया। कुल मिलाकर 150 से अधिक गणमान्य व्यक्तियों ने इस संगोष्ठी में प्रतिभाग किया। इस संगोष्ठी में मुख्य अतिथि की भूमिका का निर्वाह ए.डी.एम. (सिटी) श्री अवधेश कुमार तिवारी ने किया।

मुख्य अतिथि ने एन.एस.एस. के स्वेछासेवियों को गोरैया संरक्षण के लिए घोंसले वितरित किये। डॉ. ललित उपाध्याय ने घोंसलों के सदुपयोग हेतु स्वेच्छासेवियों को जागरूक एवं प्रशिक्षित किया।

6. ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के कार्यक्रम

जरूरतमंद लोगों को गरम कपड़ों का वितरण : 06 जनवरी, 2016 से 08 जनवरी, 2016 तक ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के सदस्य तथा एन.एस.एस. के स्वेछासेवियों के सहयोग से महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये गाँवों के जरूरतमंद व्यक्तियों तथा इन गाँवों के ईंट भट्टों पर कार्य करने वाले जरूरतमंद मजदूरों को गरम कपड़े वितरित किये गये। ये कपड़े महाविद्यालय के विद्यार्थी, शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर वर्ग के लोगों द्वारा एकत्र किये गये थे। इस कार्यक्रम से एक ओर कुछ लोगों के पास रखे अनावश्यक कपड़ों का सदुपयोग हुआ, दूसरी ओर जरूरतमंद लोगों को इन कपड़ों से राहत मिली। स्थानीय अचल सरोवर की सफाई में भी सामाजिक सरोकार समिति से संबंधित व्यक्तियों का सक्रिय योगदान रहता है।

ग्राम प्रधानों का स्वागत एवं कम्बल वितरण समारोह : 14 जनवरी, 2016 को महाविद्यालय परिसर में पतंग उड़ान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का विधिवत् शुभारम्भ इग्नू के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. अमित चतुर्वेदी ने किया। महाविद्यालय के सभी संकायों के विद्यार्थियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया। अपने उद्घाटन भाषण में डॉ. चतुर्वेदी ने विद्यार्थियों से कहा कि मकर संक्रान्ति पर्व को वे ज्ञान पर्व के रूप में मनाये। महाविद्यालय के

चेयरमेन श्री दीपक गोयल ने कहा कि इस प्रतियोगिता में सभी सहभागी खेल भावना का ध्यान रखें, उन्होंने देश के विभिन्न प्रदेशों में मकर संक्रान्ति मनाये जाने के तरीकों पर भी प्रकाश डाला।

महाविद्यालय द्वारा गोद लिए गये 14 गाँवों (बढ़ौली फतेह खाँ, हाजीपुर चौहट्टा, ईशनपुर, पड़ियावली, सराय हरनारायण, सराय बुर्ज, मुकन्दपुर, मईनाथ, मड़राक, न्हौटी, मंदिर का नगला, चिरौलिया दाउद खाँ, हाजीपुर फतेह खाँ तथा कमालपुर) के ग्राम प्रधान कम्बल दिलवाने हेतु अपने-अपने गाँव के पाँच-पाँच जरूरतमंद लाभार्थियों के साथ महाविद्यालय के स्वराज्य सभागार में एकत्र हुए। मुख्य अतिथि डॉ. अमित चतुर्वेदी, क्षेत्रीय निदेशक (इग्नू), विशिष्ट अतिथि डॉ. अवधेश कुमार पाण्डेय असिस्टेण्ट रजिस्ट्रार (इग्नू), महाविद्यालय के चेयरमेन श्री दीपक गोयल, ज्ञान आई.टी.आई. के निदेशक डॉ. गौतम गोयल, प्रबन्धक श्री मनोज यादव, महाविद्यालय प्रबन्धन की श्रीमती रितिका गोयल तथा प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने सभी ग्राम प्रधानों को शाल तथा ज्ञान दुपट्टा उढ़ाकर उनका स्वागत किया और सभी लाभार्थियों को एक-एक कम्बल भेंट किया।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. वाई.के. गुप्ता ने महाविद्यालय की अब तक की प्रगति से सबको अवगत कराया तथा गोद लिये गये गाँवों के निवासियों को महाविद्यालय द्वारा दी जा रही विशेष सुविधाओं का विस्तार से उल्लेख किया। ज्ञान सामाजिक सरोकार समिति के प्रभारी डॉ. विवेक मिश्रा ने महाविद्यालय की स्वराज्य स्वावलम्बी योजना तथा स्वराज्य ज्ञान योजना के बारे में बताया। मुख्य अतिथि महोदय ने ग्रामीणों के लिए लाभकारी इग्नू के कार्यक्रमों का विशेष रूप से उल्लेख किया। चेयरमेन महोदय ने सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया तथा सभी ग्राम प्रधानों से अपील की कि वे पूरी लगन से अपने-अपने गाँव का विकास करें तथा महाविद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ ग्रामीणों को दिलवायें। कार्यक्रम के अन्त में सभी अतिथि, शिक्षक, विद्यार्थी, शिक्षणेत्तर वर्ग के व्यक्तियों आदि ने महाविद्यालय परिवार द्वारा आयोजित खिचड़ी भोज का आनन्द लिया। आज के समारोह का प्रबन्धन प्रबन्धक श्री मनोज यादव के निदेशन में प्राचार्य तथा उप-प्राचार्य आदि ने किया। कार्यक्रम का संचालन एन.एस.एस. के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. ललित उपाध्याय ने किया।

नवमान आफसैट 9358251032

Scanned by CamScanner